150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

MADHYA PRADESH The heart of Incredible India

मध्यप्रदेश पर्यटन न्यूज़ लेटर

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड का प्रकाशन

फरवरी 2019

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ को भेंट किया प्रथम प्रिविलेज मेंबर कार्ड

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ से पर्यटन मंत्री श्री सुरेंद्र सिंह बघेल ने मंत्रालय में हाल ही में भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम का प्रथम प्रिविलेज मेंबर कार्ड भेंट किया। पर्यटन मंत्री ने बताया कि निगम के होटलों में रात्रि विश्राम को बढ़ावा देने और मध्यप्रदेश पर्यटन ब्राँड को स्थापित करने के लिए प्रिविलेज मेंबर कार्ड की पहल की गई है।

पर्यटन मंत्री श्री बघेल ने बताया कि यह कार्ड मध्यप्रदेश टूरिज्म के उन सभी अतिथियों को दिए जाएँगे, जो निगम की संपत्तियों में पांच अथवा उससे अधिक बार विश्राम करेंगे। पर्यटन निगम द्वारा प्रिविलेज मेंबर कार्ड धारक को शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी।

मध्यप्रदेश पर्यटन के प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया का भरपूर उपयोग

भोपाल । पर्यटन एवं नर्मदा घाटी विकास मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल ने यहाँ मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किये जाने के काम की समीक्षा की। श्री बघेल ने पर्यटन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, नये नजरिये और प्रॉफिटेबल बिजनेस को दृष्टिगत रखकर कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की ।

समाचार पृष्ठ 13 पर

अपनी बात...

एशिया में पहली बार भोपाल में संपन्न – एडवेंचर नेक्स्ट के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश पर्यटन ने वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। इस महत्वपूर्ण आयोजन के अच्छे परिणाम आने वाले समय में निश्चित ही मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ाने, मध्यप्रदेश भ्रमण पर आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों को और अधिक आकर्षिक तथा प्रेरित करेगा, यही उम्मीद की जाना चाहिये। आने वाला समय एडवेंचर टूरिज्म का होगा और मध्यप्रदेश ने इस दिशा में अपने कदम बढ़ा लिये हैं।

मध्यप्रदेश में नई सरकार की मंशा और ''वचन पत्र'' के बिंदुओं के अनुरूप पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के सभी संभव प्रयास किये जायेंगे। दरअसल जॉब क्रिएशन टूरिज्म की एक बड़ी शक्ति है। एक अध्ययन के अनुसार टूरिज्म में 10 लाख रूपयों के निवेश पर 78 रोजगार सृजन होता है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में पर्यटन का 5.9 प्रतिशत और रोजगार में 9.2 प्रतिशत योगदान है। इसी तरह विश्व पर्यटन में देश के घरेलू पर्यटकों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। इन तथ्यों को दृष्टिगत रखकर पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विस्तार देने की कोशिशें जारी रहेंगी ।

साल 2019 की शुरूआत मध्यप्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से उत्साहवर्धक रही है । एयर कनेक्टिविटी को लेकर अच्छी पहल प्रांरम्भ हुई है। इसके जरिये दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण स्थलों के साथ भोपाल– जयपुर, अहमदाबाद, शिर्डी आदि से सीधे जुड़ गया है। यह कदम बहुप्रतीक्षित था। माननीय मुख्यमंत्री जी ने भोपाल में इसकी शुरूआत हाल ही में की है। स्वाभाविक ही इसका अनुकूल प्रभाव प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र पर पड़ेगा ।

प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में हम ''हाई वेल्यू–लो इम्पैक्ट '' के ध्येय वाक्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में एडवेंचर एवं कैम्पिंग की नई नीति तैयार की गई है। विलेज टूरिज्म की दिशा में भी पहल शुरू की जा रही है। पर्यटन स्थलों पर महिला सुरक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाने की कोशिशें शुरू की गई हैं। एडवेंचर नेक्स्ट के महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने के लिये टीम पर्यटन निश्चित ही बधाई की पात्र है। हमें आगे भी इसी प्रकार टीम भावना से काम कर पर्यटन क्षेत्र को आगे बढ़ाना है।

शुभकामनाएँ

(हरि रंजन राव)
प्रबंध संचालक

''भोपाल में एडवेंचर नेक्स्ट''

वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश पर्यटन की छाप

एडवेंचर नेक्स्ट का दीप जलाकर शुभारंभ करते हुए अतिथि.

भोपाल में हाल ही में सम्पन्न एडवेंचर नेक्स्ट के प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन के जरिये मध्यप्रदेश पर्यटन ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर अपनी प्रभावी छाप छोड़ी है। तकरीबन 31 देशों के 72 से अधिक बायर्स तथा कुल 200 से अधिक डेलीगेटस की सहभागिता से इस आयोजन की सफलता स्वत: रेखांकित होती है।

इसी के साथ ऐतिहासिक मिन्टो हॉल (अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेन्टर) को विश्व मानचित्र पर प्रतिष्ठापित होने का सुअवसर भी मिला। डेलीगेटस ने अलग–अलग ग्रुप में प्रदेश के मशहूर पर्यटन स्थलों, नेशनल पार्क, हेरिटेज, पुरातत्व, यूनेस्को विश्व धरोहर साँची, भीमबैठका और खजुराहो का भ्रमण भी किया। भोपाल स्थित मानव संग्रहालय, ट्रायबल म्यूजियम, बोट क्लब और हेरीटेज वाक के जरिये भोपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक वैभव से भी प्रतिभागी रूबरू हुए। मिन्टो हॉल सहित सभी स्थान प्रतिभागियों को बहुत पसंद आये तथा विदेशी डेलीगेटस ने अपने कमेंट ट्विटर, इंस्टाग्राम, ई–मेल और वाट्सएप के जरिये शेयर भी किये ।

संपूर्ण एशिया में पहली बार भारत में तथा देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित एडवेंचर नेक्स्ट की मेजबानी मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं राज्य पर्यटन विकास निगम को मिलना अपने आप में एक अभूतपूर्व अवसर था। मध्यप्रदेश पर्यटन ने इसमें कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखी। काफी लंबे समय से चल रही तैयारियों को एडवेंचर नेक्स्ट के सफल आयोजन से सार्थकता हासिल हुई। इसमें सम्पूर्ण पर्यटन टीम की मेहनत, अथक परिश्रम और टीम भावना से अपने–अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन की भूमिका शामिल है। टीम पर्यटन निश्चित रूप से इसके लिए बधाई की हकदार भी हैं।

एडवेंचर नेक्स्ट के दौरान जहाँ मार्केट प्लेस, चौक बाजार नामक स्थल पर बी–2–बी विमर्श के सफल दौर चले वहीं नजदीक ही शिल्प ग्राम क्राफ्ट बाजार में महेश्वरी साड़ी, बाघप्रिन्ट, पॉटमेकिंग तथा टेराकोटा आदि के लाइव डेमो हुए। विदेशी महिला डेलीगेटस ने बड़े उत्साह के साथ अपने हाथों में मेंहदी भी लगवाई। कई प्रतिभागियों ने परम्परागत साफे और पगड़ी भी बँधवाई। क्राफ्ट बाजार की गतिविधियों को लोगों ने बहुत एन्जॉय किया।

आयोजन की प्रथम संध्या की शुरूआत में 3 दिसम्बर 1984 में घटित विश्व की भीषण गैस त्रासदी में मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ट्रायबल म्यूजियम के खुले मंच पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति हुई। इसके पूर्व मिन्टो हॉल में एडवेंचर एजुकेशन ''एडू'' पर केन्द्रित उपयोगी सत्र के दौरान एडवेंचर टूरिज्म के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करवाया गया।

''पल्स ऑफ टुमारो'' की थीम पर इस आयोजन की विधिवत शुरूआत मिन्टो हॉल के राजाभोज सभागृह में हुई। भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सुमन बिल्ला तथा प्रदेश के प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव ने क्रमश: राष्ट्रीय स्तर पर तथा मध्यप्रदेश की पर्यटन गतिविधियों, खासियत, एडवेंचर गतिविधियों और पर्यटन की आगामी योजनाओं– प्रोजेक्ट से अवगत करवाया। एडवेंचर ट्रेवल ट्रेड एसोसिएशन (एटीटीए) के सीईओ श्री सेनन स्टोवेल, एडवेंचर टूर ऑपरेटर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कैप्टन स्वदेश कुमार, एडवेंचर नेक्स्ट आयोजन कमेटी के अध्यक्ष श्री अक्षय कुमार सहित विभिन्न पदाधिकारी सहित, देश के विभिन्न राज्यों के प्रमुख सचिव, सचिव पर्यटन तथा पर्यटन विकास निगमों के एमडी भी मौजूद थे।

इस प्रतिष्ठा पूर्ण आयोजन में भारत सहित यूएसए, कनाडा, ब्राजील, चीन, जापान, ब्रिटेन, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया,

पोलैंड, फ्रांस, जर्मनी, अर्जेंटिना, फिलीपिंस, सिंगापुर, चिली और ईरान समेत लगभग 31 देशों के डेलीगेट्स उपस्थित थे।

एडवेंचर नेक्स्ट की दूसरी संध्या होटल लेक व्यू अशोका में धरोहर शीर्षक से फैशन शो भी हुआ। इसमें प्रतिभागियों ने मध्यप्रदेश पर्यटन के विविध रंगों, पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक विरासत आदि पर केन्द्रित वस्त्रों की नुमाइश की। फैशन शो का आयोजन ''निफ्ट'' के तत्वावधान में हुआ। एडवेंचर नेक्स्ट की तृतीय संध्या बड़ी झील के किनारे बोट क्लब पर आकर्षक शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति हुई। इसमें अश्विनी नंदकुमार ने भरतनाट्यम, अंशिका गांधी ने कथक, दीपिका मैथिल ने मोहनी अट्टम और मानवी शर्मा ने कान्टेमपररी की प्रस्तुति दी।

एडवेंचर नेक्स्ट के दूसरे दिन भी बी–2–बी बिजनेस मीटिंग के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर अलग–अलग सत्र हुए। ध्रुपद सत्र में श्री रमाकांत गुन्देचा ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत में मध्यप्रदेश की प्रभावशाली भूमिका रही है। मध्यप्रदेश के संगीत घरानों पर विमर्श करते हुए उन्हें बहुत खुशी हो रही है। इस रूचिकर और ज्ञानवर्धक सत्र में श्री गुन्देचा ने अपने गायन के राग से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अकबर, राजा मानसिंह तोमर, तानसेन, बैजूबावरा तथा स्वामी हरिदास सहित उस्ताद रज़्ज़ब अली खां, कुमार गंधर्व और अमीर खां का स्मरण करते हुए कहा कि ग्वालियर घराना अन्य घरानों का जनक है। कुमार गंधर्व कर्नाटक के थे लेकिन उन्होंने देवास में रहकर संगीत साधना की। श्री गुन्देचा ने कहा कि 2002 में उन्होंने ध्रुपद संस्थान की स्थापना कर गुरू–शिष्य परांपरा को आगे बढ़ाया है। इस साल वे विश्व के 12 स्थानों पर संगीत की शिक्षा देंगे।

गोंड आर्ट पर केन्द्रित सत्र में सुश्री सम्पा शाह ने बताया कि गोंड आर्ट पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली परंपरा हैं। इसके जरिये वनों से जुड़े रहने और प्रकृति के प्रति प्रेम का भाव दर्शाया जाता है। उन्होंने मंडला जिले के जनगर सिंह की पेंटिंग शैली और उनकी बनाई पेंटिंग प्रदर्शित की। भारत भवन में स्वामीनाथन ने भी उनकी सराहना की थी। सत्र में सुभाष सिंह तथा जनगर सिंह की बेटी जापानी ने भी गोंड पेंटिंग पर अपने अनुभव साझा किए। खास तौर से गोंड पेंटिंग ढिगना के बारे में बताया। मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी पेंटिंग प्रदर्शित की गई है। इसी प्रकार असेम्बली भवन में भी पेंटिंग लगाई गई है।

एडवेंचर नेक्स्ट के अंतर्गत महेश्वरी साड़ियों की बुनाई तथा विभिन्न डिजाइन विषयों पर भी सार्थक विमर्श हुआ। एडवेंचर नेक्स्ट में तकनीकी सत्रों में विषय–विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। समापन समारोह में जलवायु परिवर्तन पर महत्वपूर्ण सत्र हुआ। एटीटीए की ओर से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड, राज्य पर्यटन विकास निगम और डेलीगेटस का आभार व्यक्त किया गया।

पर्यटन नीति :

अब और व्यापक एवं निवेश मित्र

◆ ए.के.राजोरिया, संचालक, निवेश संवर्धन

भोपाल। प्रदेश में पर्यटन नीति को और व्यापक एवं निवेश मित्र बनाया गया है। अब सी–प्लेन, एमफीबियन पर्यटन वाहन, एयरो स्पोर्टस, ट्रेनिंग सेन्टर एकेडमी तथा हेरीटेज/कैफेटेरिया/मोटल को पर्यटन परियोजना के रूप में मान्य किया गया है। पूंजी अनुदान की पात्रता दी गई है। जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये 4 नये जल क्षेत्रों– गोविंदगढ़ जलाशय, कोलार जलाशय, माचागोरा बाँध छिंदवाड़ा, सापना बाँध बैतूल को अधिसूचित किया गया है। अब निवेशक इन जल क्षेत्रों में मोटर बोट, हाउस बोट, क्रूज, पैरासेलिंग, स्पीड बोट आदि वाटर स्पोर्टस गतिविधियाँ चलाने के लिये पर्यटन विभाग से लायसेंस प्राप्त कर सकेंगे ।

प्रदेश के प्राकृतिक एवं एडवेंचर पर्यटन की दृष्टि से उपयुक्त स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये एडवेंचर एवं कैम्पिंग पॉलिसी लागू की गयी है । अब निवेशक ऐसे चिन्हित क्षेत्रों में 5 से 15 वर्ष का लायसेंस लेकर कैम्पिंग, ट्रेकिंग, एंगलिग, माउनटेनरिंग, हाट एयर बेलूनिंग, साईकिलिंग आदि गतिविधियाँ स्थाापित कर सकेंगे ।

हेरीटेज परिसम्पत्तियों को निजी क्षेत्र के माध्यम से हेरीटेज होटल के रूप में विकसित करने की नीति के अन्तर्गत विजय राघवगढ़ कटनी, क्ओटी फोर्ट रीवा, श्यामपुर फोर्ट, नर्वर फोर्ट शिवपुरी, रायल होटल जबलपुर, महेन्द्र भवन पन्ना को चिन्हित किया गया एवं इन्हें पर्यटन विभाग को हस्तांतरण की कार्रवाई की गयी। राजगढ़ पैलेस दतिया को निविदा के माध्यम से हेरिटेज होटल के रूप में विकसित करने हेतु ब्रजरामा हास्पिटेलिटीज लिमि. बैंगलुरू को आवंटित किया गया। पर्यटन परियोजनाओं के लिये महेन्द्रा हॉलीडेज को धाराजी, जहाँनुमा पैलेस होटल्स लिमि. को सतपुड़ा टाईगर रिजर्व गेट धपाड़ामाल बैतूल एवं सृष्टि वेंचर्स नई दिल्ली को सारंगपुर मढ़ई में भूमि आवंटित की गई।

प्रदेश के प्रमुख राजमार्गों पर स्थित 8 मार्ग सुविधा केन्द्र लीज अनुबंध उपरान्त संचालन हेतु निजी निवेशकों को सौंपे गये हैं । साथ ही 11 नये मार्ग सुविधा केन्द्रों के आवंटन पत्र जारी किये गये हैं। इसके अलावा फ्रेंचाइजी श्रेणी में 2 निजी निवेशक अनुबंधित किये गये।

पर्यटन नीति के अन्तर्गत 6 नई पर्यटन इकाईयों को 9.80 करोड़ का पूंजी अनुदान उपलब्ध कराया गया है। इन इकाईयों में 148 करोड़ का निवेश होकर 1500 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है तथा लगभग 250 नये होटल रूम सृजित हुए हैं ।

केरला होम स्टे एसोसिएशन के आमंत्रण पर पर्यटन बोर्ड के अधिकारियों द्वारा केरला होम स्टे एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन कोच्चि में भाग लिया गया। केरला होम स्टे पॉलिसी के अनुरूप एवं पर्यटन विकास में जन भागीदारी को बढ़ावा देने के लक्ष्य से संशोधित होम स्टे नीति जारी की गई। अब उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर होम स्टे को सिल्वर, गोल्ड एवं डायमंड श्रेणी में पंजीकृत कराया जा सकेगा एवं प्रोत्साहन राशि प्राप्त की जा सकेगी ।

निवेशकों से सतत सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत इन्टरनेशनल बुद्धिष्ट कानक्लेव नई दिल्ली, केरला होम स्टे वार्षिक सम्मेलन कोच्चि तथा इंडियन हेरीटेज होटल एसोसिएशन कन्वेंशन भरतपुर में भाग लेकर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं एवं नीतियों की जानकारी निवेशकों को दी गई।

''खजुराहो आईकॉनिक डेस्टिनेशन,

बरगी में वॉटर स्पोटर्स

तामिया में खेल अकादमी

भोपाल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के संचालक मण्डल की बैठक तत्कालीन मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह की अध्यक्षता में यहाँ सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय ने विश्व धरोहर खजुराहो को ''आईकॉनिक डेस्टिनेशन'' घोषित किया है। उड्डयन मंत्रालय ने उड़ान योजना में खजुराहो–नई दिल्ली रूट को शामिल किया है। इससे खजुराहो आने वाले सैलानियों को फ्लाइट की और सुविधा मिल सकेगी। प्रदेश के पर्यटन, धरोहरों तथा कला संस्कृति का वैश्विक प्रचार–प्रसार का अभियान शुरू किया गया है।

बैठक में मुख्य सचिव श्री सिंह ने ऐतिहासिक महत्व के बुरहानपुर को टूरिज्म के क्षेत्र में और अधिक विकसित करने तथा माण्डू में जहाज महल के मार्ग को ठीक करने की जरूरत बताई। उन्होंने माण्डू सहित ओरछा तथा चंदेरी को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया । बैठक में तत्कालीन अपर मुख्य सचिव संस्कृति श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास (तत्कालीन) श्री विवेक अग्रवाल, प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव और बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे सहित संबंधित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अपने प्रेजेन्टेशन में प्रमुख सचिव पर्यटन श्री राव ने बताया कि बरगी (जबलपुर) में वॉटर स्पोटर्स अकादमी एवं तामिया में साहसिक खेल अकादमी की स्थापना प्रस्तावित है। एडवेंचर टूरिज्म के अंतर्गत 10 संस्थाओं का चयन किया गया है। कैम्पिंग नीति के तहत 100 कैम्प गतिविधियों का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में 22 वॉटर बाडीज अधिसूचित कर 80 निवेशकों को विभिन्न अनुमति प्रदान की गई है। टूरिज्म बोर्ड ने 42 प्रकरणों में 66 करोड़ की सब्सिडी उपलब्ध कराई है। आगामी कार्य योजना में 100 हेक्टेयर भूमि को लैंड बैंक के अंतर्गत लेने का लक्ष्य है।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 20 गाँवों का चयन किया गया है। एडवेंचर गतिविधियों के रूप में टूर–डे सतपुड़ा साइकिल सफारी, मानसून मैराथन पचमढ़ी और सिटी वॉक फेस्टिवल का आयोजन किया गया। फूड क्राफ्ट इंस्टटीयूट (एफसीआई) में हिन्दी पाठयक्रम लागू हो गया है। बैठक में मुख्य सचिव सहित संचालक मण्डल के सदस्यों को कॉफी टेबल बुक तथा पर्यटन प्रचार सहित्य का सेट भेंट किया गया।

‘विश्व-धरोहर और टिकाऊ पर्यटन पर उपयोगी विमर्श’

भोपाल World Heritage and sustainable tourism पर दो दिवसीय वर्कशॉप हाल ही में कन्वेंशन सेन्टर मिन्टो-हॉल में आयोजित की गई। कार्यशाला में नेशनल ज्योग्राफिक, यूनेस्को सहित मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं राज्य पर्यटन विकास निगम के अधिकारी और प्रतिभागी उपस्थित थे। यह सुखद संयोग था कि वर्कशॉप की शुरूआत संविधान दिवस पर हुई। उल्लेखनीय है कि मिन्टो-हॉल बरसों तक अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा का भवन रहा है।

वर्कशॉप के शुभारंभ मौके पर अपने Key Note में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं टूरिज्म बोर्ड के एमडी श्री हरि रंजन राव ने कहा कि हाल ही के वर्षों में हेरीटेज संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ी है। विश्व में हेरीटेज को टूरिज्म की एक बड़ी शक्ति माना जा रहा है। पर्यटन आज एक जॉब क्रिएशन वाला क्षेत्र बन गया है। मिन्टो-हॉल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेन्टर में पुनरूद्धार के काम को रेखांकित करते हुए श्री राव ने कहा कि हेरीटेज प्रॉपर्टी के संरक्षण को बढ़ावा देने का यह प्रमुख उदाहरण है। तकरीबन 100 साल पुराने इस भवन को इसका मूल स्वरूप बरकरार रख कर सँवारा गया है। हेरिटेज को इसी तरह सहेजने की जरूरत है।

श्री राव ने पर्यटन के प्रति लोगों में जिज्ञासा और सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूली बच्चों के लिए प्रारंभ की गई टूरिज्म क्विज के आयोजन का जिक्र करते हुए कहा कि इसके अच्छे नतीजे सामने आये हैं। नई जनरेशन को अपनी संस्कृति, धरोहर तथा पर्यटन स्थलों से रूबरू करवाने की यह अनूठी पहल सफल रही है। इसके जरिये एक बेहतर प्रश्नोत्तर बैंक पुस्तिका के रूप में तैयार किया गया है। इस साल टूरिज्म क्विज में 7 हजार स्कूलों के 22 हजार विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतिभागी बच्चें भविष्य के पर्यटन एम्बेसेडर हैं।

नेशनल ज्योग्राफिक के श्री फ्रेंक बायसी ने अपने प्रेजेन्टेशन में बताया कि भारत में पर्यटन क्षेत्र का जीडीपी में 9.6 प्रतिशत का योगदान है जो विश्व स्तर पर जीडीपी के योगदान के लगभग बराबर है। यूनेस्को के प्रतिनिधि श्री पीटर डीब्रेन ने अपने प्रेजेन्टेशन में बौद्ध विचारधारा और सस्टेनेबल टूरिज्म पर उपयोगी विचार साझा किये।

प्रारंभ में राज्य पर्यटन विकास निगम के एमडी श्री टी इलैया राजा ने स्वागत भाषण में इस विषय पर नेपाल की राजधानी काठमाण्डू में सम्पन्न वर्कशॉप का उल्लेख करते हुए बताया कि इसमें नेपाल सहित भारत और बंगलादेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। उन्होंने मध्यप्रदेश पर्यटन की विशेषताओं से अवगत करवाया। वर्कशॉप में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने इसके पूर्व विश्व धरोहर साँची का भ्रमण कर बुद्धिष्ट कल्चर थीम पार्क का अवलोकन किया। प्रतिनिधियों को श्री राव ने कॉफी टेबल बुक तथा अन्य प्रचार साहित्य भेंट किया।

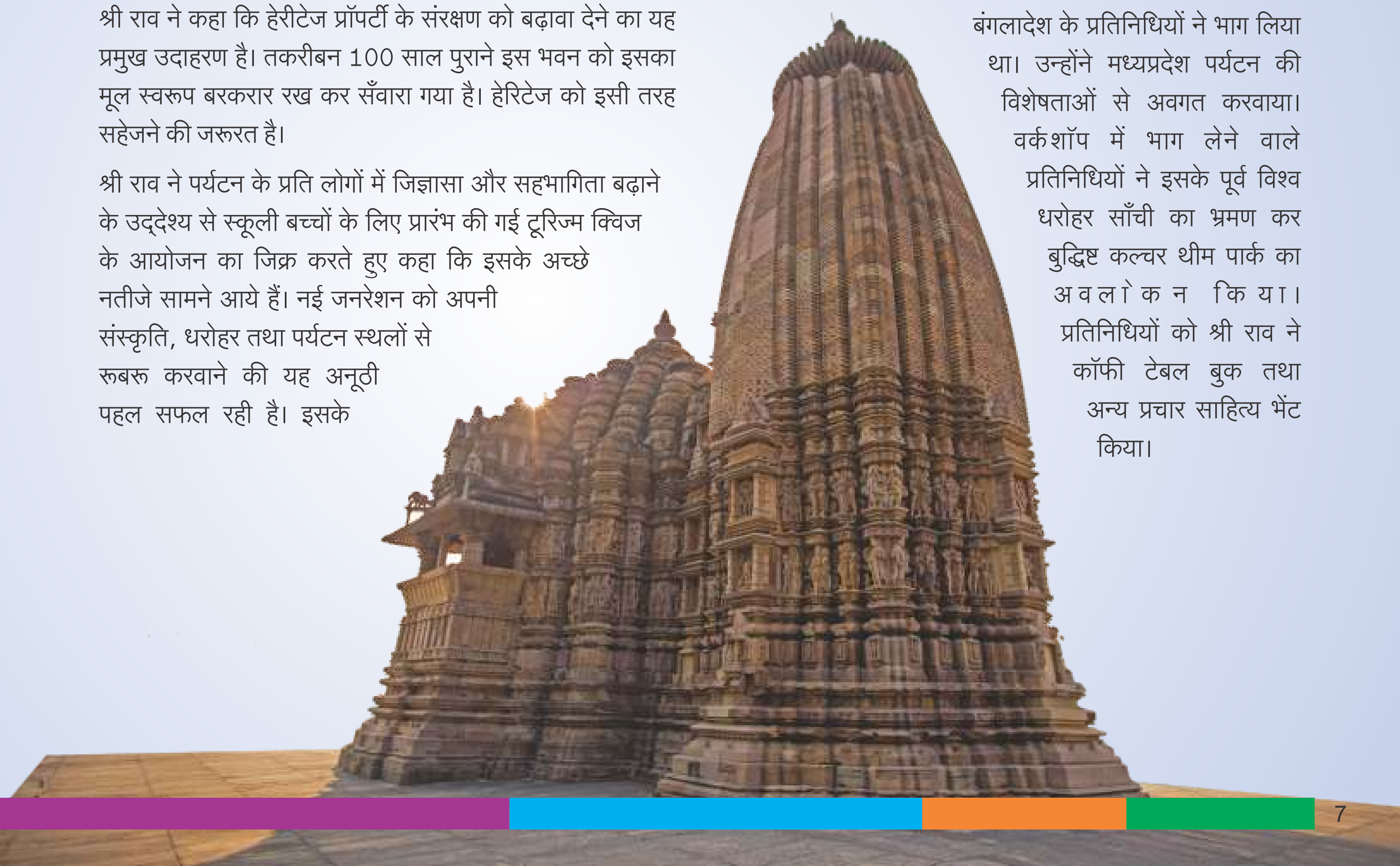

फोटो कोलॉज

न्यूज लेटर के इस अंक और पिछले प्रकाशित अंक के बीच पर्यटन पर केन्द्रित महत्वपूर्ण आयोजन और ईवेंट हुए हैं। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में सक्रियता के इन प्रयासों को दर्शाने के लिये दो पृष्ठ के फोटो कोलॉज का संयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने अंतर्राष्ट्रीय-कन्वेंशन सेन्टर (मिन्टो हॉल) में आई.ए.एस. ऑफिसर्स मीट को संबोधित किया.

गणतंत्र दिवस पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदर्शित झांकी को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया.

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की गणतंत्र दिवस पर प्रदर्शित झांकी को राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

मध्यप्रदेश टूरिज्म को हाल ही में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के डेस्टिनेशन टीवीसी को स्पेन में आयोजित फितूर में अंतर्राष्ट्रीय श्रेष्ठ प्रमोशनल फिल्म का अवार्ड प्राप्त हुआ है। अलग-अलग डेस्टिनेशन की 58 फिल्मों में से इसका चयन किया गया। पर्यटन निगम के एम.डी. श्री टी.इलैया राजा ने यह अवार्ड प्राप्त किया ।

वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट लंदन में मध्यप्रदेश पर्यटन ने भी भागीदारी की। टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे एवं उप संचालक मार्केटिंग श्री युवराज पडोले ने मध्यप्रदेश पर्यटन का प्रतिनिधित्व किया.

एडवेंचर नेक्स्ट के मौके पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम.

मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट के मौके पर लगाये गये विभिन्न स्टॉल.

एडवेंचर नेक्स्ट के मौके पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम.

पर्यटन पर्व के दौरान श्रेष्ठ सहभागी राज्य के रूप में मध्यप्रदेश को ज्वाइंट रनर-अप के रूप में पुरस्कृत किया गया.

आतिथ्य एवं सत्कार के क्षेत्र में हिन्दी पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग टेक्नालॉजी परिषद्, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी निकायों में आतिथ्य एवं सत्कार के क्षेत्र में उपलब्ध पाठ्यक्रम अंग्रेजी भाषा में पढ़ाये जाने का प्रावधान था। इस वजह से मध्यप्रदेश के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में निवासरत युवाओं हेतु पर्यटन के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के सीमित अवसर उपलब्ध थे। अंग्रेजी भाषा का समुचित ज्ञान न होने के कारण युवाओं की इस क्षेत्र में रूचि होने के बावजूद शिक्षा पाना अत्यधिक कठिन था। इसके चलते पर्यटन रोजगार के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के युवा पिछड़ रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुये तथा मध्यप्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक आतिथ्य एवं सत्कार के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग टेक्नालॉजी परिषद, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को अपना पक्ष रखते हुए हिन्दी माध्यम से शिक्षा प्रारंभ करने का बारंबार अनुरोध किया जा रहा था।

महत्वपूर्ण उपलब्धि – मध्यप्रदेश पर्यटन के अथक प्रयासों के पश्चात् राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग टेक्नालॉजी परिषद, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यह अवगत कराया गया है कि एनसीएचएमसीटी की 47वीं शासक मण्डल की बैठक में मध्यप्रदेश के चार संस्थानों यथा – स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, इंदौर, फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट–रीवा, जबलपुर एवं खजुराहो में पायलट प्रोग्राम के तहत् वर्ष 2019–20 के शैक्षणिक सत्र से हिन्दी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। मध्यप्रदेश के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके तहत् फूड प्रोडक्शन में डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा, हाउस कीपिंग ऑपरेशन में डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा एवं क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स इन फूड प्रोडक्शन में एक वर्षीय पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया गया है। पाठ्यक्रम को हिन्दी में विकसित करने, प्रश्नपत्र तैयार करने तथा मूल्यांकन में सहयोग करने हेतु भी मध्यप्रदेश की उक्त संस्थाओं से अनुरोध किया गया है। इस पायलट प्रोग्राम को केवल मध्यप्रदेश में प्रारंभ किया गया है। इसके सफल क्रियान्वयन के पश्चात् अन्य हिन्दी भाषी राज्यों के युवाओं को भी पर्यटन के क्षेत्र में हिन्दी पाठ्यक्रम के जरिये से शिक्षा प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

'पर्यटन स्थलों पर महिला सुरक्षा विषय पर सार्थक विमर्श'

भोपाल। 'पर्यटन पर्व' के दौरान विश्व धरोहर साँची में 'पर्यटन और महिला सुरक्षा' पर केन्द्रित कार्यक्रम में ब्रोशर का विमोचन किया गया।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल विषय पर विमर्श भी किया गया।

इस मौके पर श्रीमती अदिति सिंह, श्रीमती इन्डिया अर्थ 2018 विशेष रूप से मौजूद थी। पर्यटन बोर्ड के संचालक डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि टूरिज्म बोर्ड द्वारा महिला एवं बाल विकास के सहयोग से सभी जिलों में महिला सुरक्षा पर केन्द्रित कार्यक्रम चलाया जायेगा। कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 30 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर विविध गतिविधियों का संचालन किया जायेगा।

'पर्यटन पर्व' के अंतर्गत टूरिज्म बोर्ड द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 'पर्यटन पर्व' के दौरान फूड फेस्टिवल का शुभारंभ श्रीमती अदिति सिंह, श्रीमती इन्डिया अर्थ 2018 की मौजूदगी में हुआ। श्यामला हिल्स स्थित लेक व्यू होटल में इसका आयोजन हुआ।

10
नेशनल अवार्ड

मध्यप्रदेश पर्यटन को एक बार फिर मिले 10 नेशनल अवार्ड

भोपाल । मध्यप्रदेश पर्यटन को एक बार फिर लगातार दूसरे साल नेशनल अवार्डस से नवाजे जाने का सुअवसर हासिल हुआ है। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में घोषित नेशनल अवार्डस में मध्यप्रदेश पर्यटन को 10 अवार्ड प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त लगातार तीन साल से बेस्ट टूरिज्म स्टेट के रूप में हॉल ऑफ फेम का नेशनल अवार्ड भी दूसरे साल भी प्रभावशील है। यह अवार्ड लगातार तीन साल तक प्रभावी रहेगा।

अवसर था – विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह का। समारोह में केन्द्रीय पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री के.जे. अल्फोन्स ने यह अवार्ड प्रदान किये।

मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं टूरिज्म बोर्ड के एमडी श्री हरि रंजन राव, पर्यटन निगम के एमडी श्री टी. इलैया राजा एवं टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे आदि मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विश्व पर्यटन दिवस पर घोषित अवार्डस में मध्यप्रदेश को एक्सीलेन्स एन पब्लिसिंग इन फॉरेन लेंगवेज अदर देन इंगलिश के लिए विदेशी भाषा जर्मनी में रूचिकर कॉर्पोरेट ब्रोशर के प्रकाशन, बेस्ट हेरीटेज वॉक का इन्दौर शहर को, बेस्ट हेरीटेज सिटी का सिटी ऑफ जॉय माण्डू को, बेस्ट एडवेंचर स्टेट का मध्यप्रदेश और उत्तराखण्ड को संयुक्त रूप से, एक्सीलेन्स एन पब्लिशिंग इन इंगलिश लेंगवेज में कॉफी टेबल बुक कान्हा टाईगर रिजर्व को, स्वछता का नेशनल अवार्ड इन्दौर को, बेस्ट सिविक मैनेजमेंट का ओंकारेश्वर को, बेस्ट वाइल्ड लाइफ गाइड का पन्ना नेशनल पार्क के गाइड श्री राधिका प्रसाद को, बेस्ट एयरपोर्ट के रूप में देवी अहिल्या बाई होलकर एयरपोर्ट इन्दौर को और बेस्ट हेरीटेज प्रॉपर्टी का देवबाघ ग्वालियर को नेशनल अवार्ड मिला है।

पर्यटन क्षेत्र में मध्यप्रदेश के नवाचार सराहनीय

भोपाल में पाँचवां एम.पी. ट्रेवल मार्ट

भोपाल: मध्यप्रदेश टूरिज्म मार्ट के पाँचवें सोपान का शुभारंभ हाल ही में यहां लेक व्यू अशोका परिसर में हुआ। इस मौके पर बिहार के पर्यटन मंत्री श्री प्रमोद कुमार, प्रदेश के प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव, अटोई के अध्यक्ष कैप्टन स्वदेश कुमार, डोमेस्टिक ट्रेवल के अध्यक्ष श्री पी.पी. खन्ना, पर्यटन निगम के एम.डी. श्री टी. इलैया राजा आदि मौजूद थे।

टूरिज्म मार्ट में विदेशों से 75 बॉयर्स, देश के विभिन्न राज्यों से 125 बॉयर्स तथा टूर, ट्रेवलर्स, होटल, हॉस्पिटेलिटी के डेलीगेट्स ने हिस्सा लिया। मार्ट के औपचारिक शुभारंभ के बाद बी–2–बी विमर्श प्रारंभ हुआ।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं टूरिज्म बोर्ड के एम.डी. श्री हरि रंजन राव ने उम्मीद जाहिर की कि मार्ट में पर्यटन को लेकर उपयोगी विमर्श होगा। श्री राव ने बताया कि मध्यप्रदेश में पृथक पर्यटन केबीनेट, जल महोत्सव हनुवंतिया का आयोजन, सिटी वॉक फेस्टिवल, विद्यार्थियों के लिए पर्यटन क्विज सहित अनेक नवाचार किये गये हैं। इसी का सुफल है कि मध्यप्रदेश को लगातार दूसरे साल 10 नेशनल अवार्ड हासिल हुए हैं। इनमें हॉल ऑफ फेम का अवार्ड तीन साल तक प्रभावशील है। प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है।

एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोशिएशन के अध्यक्ष कैप्टन स्वदेश कुमार ने कहा आने वाला समय एडवेंचर टूरिज्म पर फोकस करने का रहेगा। इस दृष्टि से एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। श्री पी.पी. खन्ना ने केरल सहित मध्यप्रदेश टूरिज्म मार्ट के आयोजन की सराहना करते हुए डोमेस्टिक टूरिज्म मार्ट के आयोजन की जरूरत पर जोर दिया। श्री खन्ना ने कहा कि देश में डोमेस्टिक पर्यटन को और अधिक बढ़ाने की जरूरत है।

अतिथियों ने प्रदर्शनी खण्ड का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश सहित गुजरात, बिहार, केरल, त्रिपुरा, मणिपुर आदि राज्यों[के पर्यटन विकास निगम, एशिन एडवेंचर, इन्डोर एशिया टूर, इंडिया टूरिज्म, विभिन्न प्रतिष्ठित होटल और हॉस्पिटेलिटी ग्रुप, टूर और टूरिज्म से जुड़ी संस्थाओं के स्टॉल आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किये गये थे। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे ने आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश पर्यटन के प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया का भरपूर उपयोग

भोपाल। पर्यटन एवं नर्मदा घाटी विकास मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल ने यहाँ मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किये जाने के काम की समीक्षा की। श्री बघेल ने पर्यटन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, नये नजरिये और प्रॉफिटेबल बिजनेस को दृष्टिगत रखकर कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

बैठक में प्रेजेन्टेशन के जरिये बताया गया कि मध्यप्रदेश पर्यटन का प्रचार वैश्विक स्तर पर भी किया जा रहा है। इसके लिए फेसबुक, व्हाटस-एप, ट्विटर, इंस्टाग्राम और वीडियो आदि का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। इसके अच्छे नतीजे भी सामने आ रहे हैं। फेसबुक पर मध्यप्रदेश पर्यटन के लगभग 11 लाख 49 हजार से अधिक और इंस्टाग्राम पर 51 हजार 686 से अधिक फॉलोवर हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा आयोजित ''एम.पी.इन माई बकेट लिस्टर कांटेस्ट'' को भी बहुत अच्छा रिस्पान्स मिला है। मध्यप्रदेश पर्यटन के टी.व्ही.सी. बड़े लोकप्रिय हुए हैं। इन्हें अवार्ड भी मिले हैं।

बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव, पर्यटन निगम के एम.डी. श्री टी. इलैया राजा एवं टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में डिजिटल मार्केटिंग पर क्रेयान्स (Crayons) संस्था द्वारा प्रेजेन्टेशन दिया गया।

मंत्री श्री बघेल ने खुद टूरिस्ट से फोन पर लिया फीडबैक

भोपाल। पर्यटन एवं नर्मदा घाटी विकास मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल ने यहाँ पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान स्वयं फोन लगाकर एक टूरिस्ट से बातचीत कर फीडबैक लिया। यह टूरिस्ट पचमढ़ी स्थित चंपक बंगलो में रूके हुए थे। मंत्री श्री बघेल को जयपुर के श्री अर्पित खण्डेलवाल ने बताया कि वह चंपक बंगलो में रूके हैं और यह बहुत अच्छा है। इतना अच्छा रिसॉर्ट उन्होंने राजस्थान में नहीं देखा। मंत्रीजी ने उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने चंपक बंगलो के मैनेजर अमान उल्ला खान को फोन लगाकर उनके काम की प्रशंसा करते हुए उन्हें भी बधाई दी। साथ ही श्री खान को प्रशंसा पत्र देने को कहा।

पर्यटन मंत्री श्री बघेल को बैठक के दौरान बताया गया कि मध्यप्रदेश पर्यटन की होटल/ रिसॉर्ट आदि में रुकने वाले पर्यटकों से फीडबैक लेने की व्यवस्था है जिससे कि व्यवस्थाओं पर निगरानी रखी जा सके। श्री बघेल ने ऐसे पर्यटकों की रेंडम सूची तलब की। इस सूची में से उन्होंने श्री खण्डेलवाल को फोन लगाकर उनसे बातचीत की।

पर्यटन गंतव्य पर बच्चों के लिए सुविधाएँ विकसित की जाये पर्यटन मंत्री श्री बघेल द्वारा समीक्षा

भोपाल । पर्यटन एवं नर्मदा घाटी विकास मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल ने कहा कि पर्यटन को लाभदायक व्यवसाय के रूप में विकसित किया जाये। इसके लिए जरूरी है कि अच्छे प्रोफेशनल नजरिये से काम किया जाये। 'वचन-पत्र' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसके बिन्दुओं पर तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। श्री बघेल हाल ही में यहाँ पर्यटन भवन में आयोजित पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

श्री बघेल ने कहा कि हमारी कार्य संस्कृति ऐसी हो जो अन्य के लिए अनुकरणीय बने। व्यावसायिक दक्षता पर जोर देते हुए श्री बघेल ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर छोटे बच्चों को ध्यान में रखकर सुविधाएँ विकसित की जाना चाहिये। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव, पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक. श्री टी. इलैया राजा और अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे सहित पर्यटन बोर्ड और पर्यटन निगम के अधिकारी मौजूद थे।

पर्यटन मंत्री श्री बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ की मंशा के अनुरूप परिणाममूलक काम किया जाये। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ हैं। श्री बघेल ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं पर्यटन निगम के कार्य, गतिविधियाँ, योजनाओं और प्रोजेक्ट की समीक्षा की।

Guest Speaks

Hotel Shipra Residency, Ujjain

'Excellent arrangements by MPTC during my visit today to Ujjain. My heart felt congratulations and best wishes to all the officers and staff of MPTC'.

- **S.R. Mohanty,** Chief Seceratary, Madhya Pradesh

एडवेंचर एवं कैम्पिंग नीति तैयार

प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि पर्यटन क्षेत्र में 10 लाख रुपये के निवेश पर 78 रोजगार सृजन होता हैं जो अन्य क्षेत्रों से ज्यादा है। इसी को दृष्टिगत रखकर पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने के लिये कोशिशें जारी हैं। प्रदेश में 'एडवेंचर एवं कैम्पिंग नीति' तैयार की गई है। मध्यप्रदेश पर्यटन की खासियत का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके लिये डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया प्लेटफार्म कर उपयोग किया जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय ट्रेवल मार्ट तथा राष्ट्रीय ट्रेवल मार्ट में भागीदारी की जा रही है। इंटरनेट पर मध्यप्रदेश पर्यटन को लेकर समुचित जानकारी उपलब्ध है। विदेशी भाषा में ब्रोशर प्रकाशित किये गये हैं। गंतव्य आधारित प्रचार-प्रसार पर जोर दिया जा रहा है। भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना में वाइल्ड लाइफ, बुद्धिस्ट, हेरीटेज, ईको सर्किट तथा ओंकारेश्वर में 'प्रसाद' योजना पर काम किया जा रहा है। जल पर्यटन के लिए 22 जल क्षेत्र अधिसूचित किये गये हैं। पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में 7,359 स्कूलों के 22 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मंत्री श्री बघेल ने ऑनलाइन होटल बुकिंग सिस्टम तथा फीडबैक की प्रक्रिया को जाना। जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद् (डी.टी.पी.सी.) को अधिक सक्रिय बनाने पर चर्चा की गई।

सैलानियों के लिए नायाब तोहफा

हिंगलाज रिसॉर्ट

मंदसौर जिले में गांधीसागर बाँध के नजदीक विकसित हिंगलॉज रिसार्ट : एक विहंगम दृश्य.

भोपाल। गांधीसागर डेम के नजदीक सैलानियों के लिए हिंगलाज रिसॉर्ट विकसित किया गया है। यह स्थान मंदसौर जिले में तथा पड़ोसी राजस्थान की सीमा से सटा हुआ है। जल पर्यटन, ईको पर्यटन एवं एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों की कड़ी में मध्यप्रदेश पर्यटन का पर्यटकों को यह एक नायाब तोहफा है। इसका विधिवत लोकार्पण हाल ही में हुआ।

हिंगलाज रिसॉर्ट में पर्यटकों की सुविधा के लिए बोट क्लब, फूड प्लाजा, क्रूज, मोटर बोट, वॉटर स्कूटर सहित पर्यटक सुविधा केन्द्र के प्रबंध किये गये हैं। हिंगलॉज रिसॉर्ट में 22 ईको फ्रेंडली कक्ष, 50 व्यक्तियों की क्षमता वाला रेस्टोरेंट, 60 व्यक्तियों की क्षमता का कान्फ्रेंस हॉल, 40 लोगों की क्षमता का एम्पीथियेटर और पार्किंग व्यवस्था विकसित की गई है। इन कार्यों पर लगभग 41 करोड़ व्यय किये गये हैं। स्वदेश दर्शन योजना में पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ईको पर्यटन विकास के लिये 33 करोड़ 52 लाख रूपये और राज्य शासन द्वारा 7 करोड़ 44 लाख रूपये स्वीकृत किये गये हैं।

इसके साथ ही समीप स्थित मालासरी टापू में भी पर्यटन सुविधा केन्द्र के साथ मूलभूत पर्यटक सुविधाएँ– फ्लोटिंग जेट्टी, कैफेटेरिया, कैम्पिंग साइट, बोट क्लब, पाथवे आदि विकसित किये जा रहे हैं। यह कार्य पूर्ण होने के पश्चात् पर्यटन के क्षेत्र में प्राइवेट इन्वेस्टर्स को आंमत्रित कर रिसॉर्ट तथा अन्य पर्यटक गतिविधियों के विकास हेतु भूमि तथा अन्य सुविधाएँ प्रदान की जाएगी। इससे मंदसौर जिले के इस क्षेत्र में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट के जरिये पर्यटन गतिविधियों के विकास से स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि हो सके तथा रोजगार प्राप्त हो सके।

पर्यटकों के अनुभवों में वृद्धि हेतु पास के वन क्षेत्र में नेचर ट्रेल एवं वॉच टावर का भी विकास किया जा रहा है। ताकि स्थानीय नेचुरलिस्ट एवं स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हो सके। हिंगलॉज रिसॉर्ट में छोटे बच्चों का भी ध्यान रखा गया है तथा उनके लिये खेलकूद उपकरण लगाये गये हैं।

विश्व पर्यटन रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर भोपाल में लिटरेचर एण्ड क्राफ्ट फेस्टिवल

भोपाल। भरपूर प्राकृतिक सुन्दरता, सांस्कृतिक विविधता और किये गये प्रयासों से आज भारत विश्व पर्यटन में चीन और अमेरिका के बाद तीसरे पायदान पर पहुँच गया है। भोपाल बहुत सुन्दर शहर है। झील की सुन्दरता को नुकसान पहुँचाये बिना इसे पर्यटन के उच्च मापदंडों के अनुसार विकसित किया जायेगा। यह बात केन्द्रीय पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री के.जे. अल्फांस ने हाल ही में यहाँ भारत भवन में संस्कृति मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ के साथ भोपाल लिटरेचर एण्ड क्राफ्ट फेस्टिवल का शुभारंभ करते हुए कही। तीन दिवसीय फेस्टिवल में देश-विदेश के 70 प्रतिष्ठित साहित्यकार और कलाकारों ने शिरकत की।

श्री श्री के.जे. अल्फांस और डॉ. साधौ ने इस अवसर पर सुप्रतिष्ठित लेखिका श्रीमती नमिता गोखले को सुशीला देवी अवार्ड से सम्मानित भी किया। उन्होंने श्री बिट्टू सहगल की पुस्तक बाँधवगढ़ इनहेरिटेन्स एण्ड वाईल्ड मध्यप्रदेश का विमोचन किया।

मंत्रीद्वय ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक चित्रकार श्री भज्जू श्याम की पेन्टिंग्स् की प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। मंत्रीद्वय ने श्री श्याम की एक-एक पेन्टिंग को देखा और भरपूर सराहना की। संस्कृति मंत्री डॉ. साधौ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गाँधी ने भारत भवन का निर्माण भोपाल को सांस्कृतिक राजधानी बनाने के लिये करवाया था। गुजरात, पंजाब, बंगाल आदि अन्य राज्यों में एक ही संस्कृति होती है, परन्तु मध्यप्रदेश विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता है। राज्य की बुन्देलखंड, बघेलखंड, निमाड़ी, मालवी आदि संस्कृतियों का संरक्षण करते हुए विकास किया जायेगा।

संस्था के अध्यक्ष श्री राघव चन्द्रा ने बताया कि यह आयोजन महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर किया जा रहा है। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय कला संग्राहक श्री जॉन बोल्स, नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमिताभ कांत, रेरा अध्यक्ष श्री ॲन्टोनी डिसा, संस्कृति सचिव श्रीमती रेनु तिवारी, श्री संतोष चौबे, श्री अभिलाष खांडेकर और देश-प्रदेश के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। संस्था की सचिव श्रीमती मीरा दास ने आभार प्रकट किया।

कन्वेंशन सेंटर का अवलोकन

केन्द्रीय पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अल्फांस ने अपने भोपाल प्रवास के दौरान सुसज्जित मिंटो हॉल अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर एवं ट्रायबल म्यूजियम का अवलोकन भी किया।